केदारनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों?

26 फरवरी 2025 को **श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने** घोषणा की कि मंदिर के द्वार 2 मई 2025 को खुलेंगे।

मुख्य बिंदु

- **तीर्थ स्थलों के लिये अंतिम तिथियाँ:**
  - **केदारनाथ मंदिर के** कपाट खुलने की घोषणा के साथ ही **गढ़वाल हिमालय** के सभी चार पवित्र स्थलों के लिये कपाट खुलने की तिथियाँ तय हो गई हैं।
  - **बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई 2025** को खुलेंगे।
  - **गंगोत्री और यमुनोत्री धाम 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर खुलेंगे।**
  - ये **चार स्थल मिलकर छोटा चार धाम का** निर्माण करते हैं, जो एक महत्त्वपूर्ण हिंदू तीर्थस्थल है।
- **केदारनाथ मंदिर खोलने पर निर्णय:**
  - **धार्मिक गुरुओं और वेदपाठियों ने महाशिवरात्रि** पर केदारनाथ के कपाट खुलने का शुभ समय और तिथि निर्धारित की।
  - **यह निर्णय बाबा केदार के शीतकालीन निवास स्थान** उखीमठ स्थित **ओंकारेश्वर मंदिर** में पूजा-अर्चना के बाद लिया गया।

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान: उत्तरकाशी ज़िला**
  - देवी यमुना **को समर्पित।**
  - **यमुना नदी भारत में गंगा नदी** के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान: उत्तरकाशी ज़िला**
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान: रुद्रप्रयाग ज़िला**
  - भगवान शिव **को समर्पित।**
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - **भारत में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य स्वरूप) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का घर।
  - भगवान विष्णु **को समर्पित।**
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kedarnath-temple